डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का कथासंधि कार्यक्रम संपन्न
प्रदीप सौरभ ने अपने उपन्यास 'ब्लाइंड स्ट्रीट' के अंशों का किया पाठ

नई दिल्ली। 20 जुलाई 2022; साहित्य अकादेमी ने आज अपने प्रतिष्ठित कार्यक्रम कथासंधि के अंतर्गत प्रख्यात उपन्यासकार प्रदीप सौरभ को आमंत्रित किया। लंबे समय से पत्रकारिता से जुड़े रहे प्रदीप सौरभ ने अपने नवीनतम उपन्यास 'ब्लाइंड स्ट्रीट' के प्रारंभिक अंश श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किए। इन अंशों में चार दृष्टिबाधित दिव्यांग मित्रों के प्रारंभिक जीवन की बानगी थी, जो उन्होंने अलग–अलग प्रदेशों से शुरू की और अंततः दिल्ली आकर एकसाथ मिले। कहानी का मुख्य पात्र महेश तनेजा है जोकि चंडीगढ़ से दिल्ली पहुँचता है और उसके अन्य मित्र नितिन त्यागी, राजेश एवं नरेश, कानपुर और करनाल से यहाँ पहुँचते हैं। शुरुआती अंशों में उनकी दिल्ली पहुँचने की कठिनाइयों और उनके परिवारों तथा समाज द्वारा किए गए तिरस्कार को प्रस्तुत किया गया था। ज्ञात होकि प्रदीप सौरभ अपने पहले ही उपन्यास 'मुन्नी मोबाइल' से चर्चा में आ गए थे और उनके अन्य उपन्यास 'तीसरी ताली', 'देश भीतर देश' एवं 'और सिर्फ तितली' भी पाठकों द्वारा पसंद किए गए।

उपन्यास अंश की प्रस्तुति के बाद उपस्थित श्रोताओं ने इस उपन्यास तथा अन्य उपन्यासों की रचना–प्रक्रिया पर भी सवाल–जवाब किए। एक सवाल के उत्तर में प्रदीप सौरभ ने कहा कि एक साहित्यकार को पत्रकार की पृष्ठभूमि से यह फायदा होता है कि वह तथ्यों को भली–भाँति जाँच परखकर अपनी रचना में इस्तेमाल करता है। अपने पहले उपन्यास 'मुन्नी मोबाइल' के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए बताया कि यह उपन्यास आज़ादी के बाद सरकार से आम जनता के मोहभंग पर केंद्रित था। इसमें विस्थापन का दर्द भी महसूस किया जा सकता है। इलाहाबाद के अपने प्रवास पर बोलते हुए कहा कि मैं सभी लेखकों से मिलता जुलता था लेकिन किसी से प्रभावित नहीं हुआ। लेकिन लिखते समय मैंने यह ध्यान रखा कि कोई भी रचना पुनर्लेखन की श्रेणी में न आ पाए।

कार्यक्रम में कई प्रख्यात पत्रकार एवं लेखक–संतोष भारतीय, अ[illegible]कु श्रीवास्तव, कैलाश नारायण तिवारी, अरविंद जैन, पवन अरोड़ा, प्रदीप पंडित, अरविंदशरण, अमिय बिंदु, इरशाद खान सिकंदर आदि बड़ी संख्या में छात्र एवं पत्रकार उपस्थित थे।

(हस्ताक्षर)
के. श्रीनिवासराव

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फ़ैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428